भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1999
दिनांक 05 अगस्त, 2026 / 14 श्रावण, 1948 (शक) को उत्तर के लिए

पुलिस बल का आधुनिकीकरण और सुरक्षित शहर परियोजनाओं का कार्यान्वयन

1999 # श्री बृज लाल:

श्री सामिक भट्टाचार्य:

श्री बाबूभाई जेसंगभाई देसाई:

डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान हथियार, गतिशीलता और हाई-टेक निगरानी बुनियादी ढांचे में हुई प्रगति के विशिष्ट संदर्भ सहित पुलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए महाराष्ट्र तथा गुजरात सहित राज्य सरकारों को दी गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ख) निर्दिष्ट शहरी केंद्रों में महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई सुरक्षित शहर परियोजनाओं (सेफ सिटी प्रोजेक्ट) के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) सुरक्षित शहर परियोजनाओं के अंतर्गत एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्रों तथा शहर-व्यापी निगरानी प्रणालियों की तैनाती की स्थिति क्या है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) महाराष्ट्र और गुजरात सहित व्यापक पुलिस बल आधुनिकीकरण (एमपीएफ) योजना और सुरक्षित शहर परियोजनाओं के अंतर्गत आपातकालीन अनुक्रिया प्रणालियों और नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग को सुदृढ़ करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री नित्यानंद राय)

(क) से (घ): 'पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता (एएसयूएमपी)' योजना [पूर्ववर्ती 'राज्य पुलिस बलों का आधुनिकीकरण (एमपीएफ)' योजना] के तहत पिछले तीन वर्षों के दौरान हथियारों, गतिशीलता और हाई-टेक निगरानी अवसंरचना में हुई प्रगति के विशिष्ट संदर्भ के साथ महाराष्ट्र और गुजरात सहित राज्य सरकारों को पुलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए दी गई वित्तीय सहायता का ब्योरा, निम्नानुसार हैः

राज्य सभा अता. प्र.सं. 1999, दिनांक 05.08.2026

(करोड़ रुपये में)

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	गुजरात को आवंटन (केंद्रीय अंश)	महाराष्ट्र को आवंटन (केंद्रीय अंश)	अन्य राज्यों को आवंटन (केंद्रीय अंश)
1	2023-24	13.73	18.28	213.18
2	2024-25	29.60	40.29	419.84
3	2025-26	29.89	40.69	416.81

'पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता (एएसयूएमपी)' योजना के तहत आपातकालीन कार्रवाई प्रणालियों और नागरिक-केंद्रित पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए राज्य/संघ राज्य सरकारों के प्रस्तावों पर भी विचार किया जाता है।

सुरक्षित शहर परियोजना को वर्ष 2018-19 के दौरान आठ शहरों, नामतः अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई में एक पायलट पहल के रूप में शुरू किया गया था। जबकि स्मार्ट निगरानी, सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन और जीआईएस-आधारित अपराध मानचित्रण जैसे न्यूनतम वांछनीय घटकों की अनुशंसा की गई थी, शहरों को महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने और महिलाओं के प्रति अपराधों पर अंकुश लगाने के साझा उद्देश्य का पालन करते हुए उनकी स्थानीय आवश्यकताओं और मौजूदा अवसंरचना के आधार पर प्रमुख घटकों को तय करने के लिए लचीलापन प्रदान किया गया था।

परियोजना कार्यान्वयन के अंतिम चरण में है। छह शहरों, नामतः अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई के संबंध में पूरे केंद्रीय अंश को जारी कर दिया गया है। शहरों से प्राप्त नवीनतम प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, सीसीटीवी कैमरों और एकीकृत कमान तथा नियंत्रण केंद्रों (आईसीसीसी) सहित स्वीकृत निगरानी अवसंरचना के 87 प्रतिशत से अधिक को कार्यशील कर दिया गया है। परियोजना के तहत स्थापित घटकों की शहर-वार स्थिति अनुलग्नक में दी गई है।

जैसाकि विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ), नीति आयोग द्वारा संचालित सुरक्षित शहर परियोजना के स्वतंत्र मूल्यांकन में देखा गया है, परियोजना ने प्रौद्योगिकी-सक्षम निगरानी और कमान अवसंरचना के माध्यम से आपातकालीन कार्रवाई प्रणालियों और नागरिक-केंद्रित पुलिस व्यवस्था को मजबूत किया है। मूल्यांकन में यह भी उल्लेख किया गया है कि समर्पित महिला सुरक्षा पहलों, जैसेकि बेंगलुरु में रानी चेन्नम्मा दस्ते, मुंबई और लखनऊ में निर्भया दस्ते, और अहमदाबाद में शी टीमों ने पुलिस दृश्यता को बढ़ाया है और महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित घटनाओं के लिए त्वरित कार्रवाई की सुविधा प्रदान की है।

*****

राज्य सभा अता. प्र.सं. 1999, दिनांक 05.08.2026

अनुलग्नक

दिनांक 30.07.2026 की स्थिति के अनुसार, सुरक्षित शहर परियोजना के तहत स्थापित घटकों की स्थिति
(गृह मंत्रालय को प्राप्त नवीनतम प्रगति रिपोर्ट के अनुसार)

1. अहमदाबाद

घटक	लक्ष्य	स्थिति
अभयम वैन	100	100
वन स्टॉप क्राइसिस सेंटर	2	2
शी टीम वाहन	100	100
अपराध का जीआईएस आधारित मानचित्रण	-	पूर्ण
वरिष्ठ नागरिक अनुकूल मोबाइल एप्लीकेशन	1	पूर्ण
महिला और वरिष्ठ नागरिक के अनुकूल बस स्टॉप	146	पूर्ण
चेहरे की पहचान प्रणाली	100	पूर्ण
इलेक्ट्रिक पर्सनल ट्रांसपोर्टर	04	04
आईसीसीसी सॉफ्टवेयर	1	पूर्ण
एकता ग्राउंड और सीसीटीवी (साबरमती रिवर फ्रंट)	01	पूर्ण
सार्वजनिक एड्रेस एंड इमरजेंसी कॉल बॉक्स एप्लीकेशन	01	पूर्ण
वीडियो एनालिटिक्स (17 एनालिटिक्स)	-	प्राप्त किया
सीसीटीवी निगरानी (स्थान)	88	87 लाईव
सार्वजनिक परिवहन में क्यूआर कोड आधारित ट्रैकिंग प्रणाली	1	प्रगति पर है
महिला साइबर यूनिट (साइबर उपकरण)	02	प्रगति पर है

राज्य सभा अता. प्र.सं. 1999, दिनांक 05.08.2026

अनुलग्नक (जारी)

2. बेंगलुरु

घटक	लक्ष्य	स्थिति
सीसीटीवी निगरानी (सभी प्रकार के)	11000+	11000+
अपराध का जीआईएस आधारित मानचित्रण	-	प्राप्त किया
सेफ्टी आईलैंड	50	50
आईसीसीसी/वीडियो एन्हांसमेंट/साइबर फोरेंसिक्स	-	प्राप्त किया
महिला और बच्चों के लिए एकीकृत सहायता केंद्र	1	1
महिला सहायता डेस्क की स्थापना	111 पुलिस स्टेशन और 8 अस्पताल	111 पुलिस स्टेशन और 8 अस्पताल
महिला पुलिस चौकी	60	60
कर्नाटक राज्य पुलिस ऐप (अपग्रेड)	-	प्राप्त किया
शिकायत बॉक्स	111 पुलिस स्टेशन	111 पुलिस स्टेशन
एसओसी किट के साथ फोरेंसिक वैन	08	08
स्कूलों, कारागारों और सार्वजनिक स्थलों में लैंगिक संवेदीकरण - जागरूकता अभियान	-	प्राप्त किया
रानी चेन्नम्मा टीम	4 बैच	पूर्ण
डैश कैम्स	250	पूर्ण
स्टेशनों और बंदोबस्त में शौचालय की सुविधा	10	पूर्ण
पुलिस में लैंगिक संवेदीकरण - जागरूकता अभियान	-	पूर्ण
साइबर प्रयोगशालाएं	05	05

राज्य सभा अता. प्र.सं. 1999, दिनांक 05.08.2026

अनुलग्नक (जारी)

3. चेन्नई

घटक	लक्ष्य	स्थिति
स्ट्रीट लाइट की रिमोट मॉनिटरिंग	7077	7077
जीसीसी स्कूलों में लड़कियों की सुरक्षा निगरानी	636 सीसीटीवी	636 सीसीटीवी
जीसीसी स्कूलों को सैनिटरी नैपकिन की आपूर्ति	159 स्कूल	159 स्कूल
सार्वजनिक स्थानों पर प्रकाश की व्यवस्था में सुधार	-	प्राप्त किया
दिव्यांग महिलाओं के लिए रात्रि आश्रय	-	प्राप्त किया
जेंडर एंड पॉलिसी लैब	1	1
मोबाइल शौचालय	15	15
महिलाओं के लिए शौचालय (नवीनीकरण कार्य सहित)	670	670
महिलाओं के लिए पिंक पेट्रोल वाहन	52 (चौपहिया) और 45 (दुपहिया)	52 (चौपहिया) और 45 (दुपहिया)
निगरानी प्रणाली (स्थान)	1750	1750
साइबर फॉरेंसिक लैब	-	प्राप्त किया
लैंगिक संवेदीकरण और प्रशिक्षण	-	प्राप्त किया
अपराध का जीआईएस आधारित मानचित्रण	-	प्राप्त किया
सुरक्षित और स्मार्ट आत्मरक्षा (जीसीसी स्कूल)	17 ग्राउंड	15 ग्राउंड
आईसीसीसी	-	प्रगति पर है
सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा अनेबलर	2500 बसें और 66 डिपो	प्रगति पर है
पिंक ऑटो इनीशिएटिव	250 महिलाएं	प्रगति पर है

4. दिल्ली

घटक	लक्ष्य	स्थिति
प्रखर वैन	88	88
मोबाइल कमांड एंड कंट्रोल सेंटर	02	02
फिक्स और पीटीजेड कैमरे	8367	6709 स्थापित
एएनपीआर कैमरे	1622	1265 स्थापित
आईसीसीसी के साथ मौजूदा कैमरों का एकीकरण	15000	5852 एकीकृत
गन शॉट पहचान प्रणाली	200	प्रगति पर है
सार्वजनिक एड्रेस प्रणाली	300	148 एकीकृत
उन्नत वीडियो एनालिटिक्स (सॉफ्टवेयर)	-	परिचालन में
आईसीसीसी	-	आंशिक रूप से परिचालन में
एनडीआर (आपदा रिकवरी केंद्र के समीप)	-	प्रगति पर है

राज्य सभा अता. प्र.सं. 1999, दिनांक 05.08.2026

अनुलग्नक (जारी)

5. हैदराबाद

घटक	लक्ष्य	स्थिति
सीसीटीवी कैमरे	2306	2306
फोरेंसिक प्रयोगशाला	02	पूर्ण
आउटरीच वाहन	05	05
इनकॉगनितों वाहन	08	08
महिला विकास और सशक्तिकरण केंद्र (सीडीईडब्ल्यू)	30	27
भरोसा सेंटर	03	02
शी टॉयलेट	300	60
पेलिकन सिग्नल्स	94	77
ट्रांजिट डॉर्म्स	1	प्रगति पर है

6. कोलकाता

घटक	लक्ष्य	स्थिति
गश्ती करने वाले बेड़े को मजबूत करना	9 डिवीजन	प्राप्त किया
हवाई निगरानी ड्रोन	08	प्राप्त किया
बॉडी कैमरे	1200	प्राप्त किया
लैंगिक संवेदीकरण और प्रशिक्षण कार्यक्रम	250	प्राप्त किया
साइबर अपराध जांच प्रयोगशाला	9 डिवीजन	प्राप्त किया
70 गश्ती वाहन, 18 मोबाइल शौचालय वैन, 04 मोबाइल रसोई, 10 मोबाइल चेंजिंग वैन	-	प्राप्त किया
अंधेरे स्थानों पर स्ट्रीटलाइट	330	330
महिला सुरक्षा पर क्षमता निर्माण और जागरूकता कार्यक्रम	-	प्राप्त किया
इंसिनिरेटर के साथ वेंडिंग मशीन	386 स्कूल	386 स्कूल
इन-हाउस प्रशिक्षण के लिए स्मार्ट क्लासरूम और अदालतों, सुधारात्मक घरों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष	-	प्राप्त किया
पोर्टेबल बायो टॉयलेट	25	25
बॉडी वोर्न कैमरे	1200	1200
सीसीटीवी कैमरे	7820	5870 पूर्ण
डेटा सेंटर का निर्माण	-	पूर्ण

राज्य सभा अता. प्र.सं. 1999, दिनांक 05.08.2026

अनुलग्नक (जारी)

7. लखनऊ

घटक	**लक्ष्य**	**स्थिति**
पिंक पेट्रोल	100 (दुपहिया) और 11 (चौपहिया)	प्राप्त किया
पिंक बूथ	100	प्राप्त किया
आशा ज्योति केंद्र	01	प्राप्त किया
एलईडी स्ट्रीटलाइट्स	3625	3625
एकीकृत स्मार्ट नियंत्रण कक्ष	-	प्राप्त किया
सीसीटीवी निगरानी (स्थान)	200	प्राप्त किया
पिंक टॉयलेट	74	प्राप्त किया
1090 के माध्यम से महिला सुरक्षा सेवाएं प्रदान करना (अवसंरचना)	-	प्राप्त किया
1090 के माध्यम से महिला सुरक्षा सेवाएं प्रदान करना (क्षमता निर्माण - लोगों का प्रशिक्षण)	78000	54156
सुरक्षा उपायों के साथ बसें	165	149

अनुलग्नक (जारी)

8. मुबंई

घटक	**लक्ष्य**	**स्थिति**
सीसीटीवी निगरानी	5422	प्राप्त किया
आपातकालीन कार्रवाई वाहन	993	993
फोरेंसिक साक्ष्य संग्रह प्रणाली	105	105
मोबाइल डेटा टर्मिनल (1355) और स्मार्ट फोन (500)	-	प्राप्त किया
पब्लिक एड्रेस सिस्टम	670	प्राप्त किया
क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण (पुलिस और डब्ल्यूसीडी)	-	प्राप्त किया
वाहन - निर्भया मोबाइल पीड़ित सहायता समूह	05	05
मोबाइल फोरेंसिक वैन	05	05
निर्भया डिस्क्रीट पेट्रोलिंग स्क्वाड	95 वाहन और 200 स्मार्ट फोन	प्राप्त किया
सोशल मीडिया एनालिटिक्स लैब और साइबर क्राइम एनालिटिक्स सेल	-	प्राप्त किया
मुंबई पुलिस एप्लीकेशन, निर्भया फीडबैक कॉल सेंटर और एकीकृत शिकायत निवारण प्रबंधन प्रणाली		प्रगति पर है
अंधेरे स्थानों पर प्रकाश की व्यवस्था	38	17
फोरेंसिक और फिंगरप्रिंट पहचान उपकरण	-	प्रगति पर है
साइबर फॉरेंसिक उपकरण (खरीद और प्रशिक्षण)	6 लैब	03 पूर्ण
फोटोग्राफी सेल	-	प्रगति पर है
डॉग स्क्वाड इंफ्रास्ट्रक्चर	-	प्रगति पर है
महिला सहायता डेस्क का नवीनीकरण	93 पुलिस स्टेशन	प्रगति पर है
महिलाओं की सहायता और परामर्श के लिए निर्भया केंद्र का आधुनिकीकरण	एनएम जोशी मार्ग पर 01	प्रगति पर है
निर्भया परामर्श केंद्र का आधुनिकीकरण	05 क्षेत्रीय और 13 जोनल केंद्र	प्रगति पर है

*****